<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

# इरेडा के सीएमडी ने आईसीजीएच 2025 में भारत की वैश्विक ग्रीन हाइड्रोजन हब बनने की क्षमता पर प्रकाश डाला

नई दिल्ली, 11 नवंबर, 2025

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा ) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री प्रदीप कुमार दास ने आज भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन सम्मेलन (आईसीजीएच 2025) के दौरान "भारत में हरित हाइड्रोजन निवेश और व्यापार के अवसर" विषय पर महत्वपूर्ण संदेश दिया।

अपने संदेश में, श्री दास ने इस बात पर ज़ोर दिया कि ग्रीन हाइड्रोजन भारत के लिए स्वच्छ ऊर्जा के परिवर्तन के लिए तेज़ी लाने, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने और सतत हाइड्रोजन व्यापार के वैश्विक केंद्र के रूप में अपनी स्थिति मज़बूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की ग्रीन हाइड्रोजन समीक्षा 2025 के अनुसार, वर्तमान घोषणाओं और परियोजना पाइपलाइनों के आधार पर, वर्ष 2030 तक वैश्विक स्तर पर प्राप्त होने वाला उत्पादन लगभग 37 मिलियन टन प्रति वर्ष होने का अनुमान है, जबकि अनुमानित आवश्यकता लगभग 150 मिलियन टन प्रति वर्ष है। श्री दास ने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह अंतर भारत के लिए वैश्विक ग्रीन हाइड्रोजन परिदृश्य में अग्रणी स्थान प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन (एनजीएचएम) को आगे बढ़ाने में सक्रिय रही है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक 5 एमटीपीए हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करना है। इस मिशन को ₹19,744 करोड़ के सरकारी निवेश और कुल हरित निवेश में ₹8 लाख करोड़ से अधिक के अपेक्षित संग्रहण के माध्यम से सपोर्ट किया गया है, जिसका उद्देश्य पूरे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अपनाने और नवाचार को बढ़ावा देना है।

श्री दास ने इस विजन को साकार करने के लिए इरेडा की सक्रिय भूमिका के बारे में प्रकाश डाला। उन्होंने साझा किया कि इरेडा ने पहले ही अपनी पहली हरित अमोनिया परियोजना को वित्तपोषित कर दिया है। इसके अलावा, गिफ्ट सिटी स्थित अपनी सहायक कंपनी के माध्यम से, इरेडा निर्यात-उन्मुख हरित हाइड्रोजन विनिर्माताओं के लिए विदेशी मुद्रा ऋण की सुविधा प्रदान करेगा, जिससे डेवलपर्स को हेजिंग लागत में 250-350 आधार अंकों तक की बचत करने के लिए मदद मिलेगी।

अनुकूल संसाधनों, सरकारी समर्थन, बड़े पैमाने पर औद्योगिक मांग और निर्यात संभावनाओं के साथ, भारत हरित हाइड्रोजन का वैश्विक केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। श्री दास ने नवाचार और साझेदारी के माध्यम से भारत के हरित हाइड्रोजन पारिस्थितिकी तंत्र के वित्तपोषण, जोखिम-मुक्त और विकास में तेजी लाने के लिए इरेडा की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।